Student - Shashi Meshram
Date - 06/04/2022

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

1 1

राजभाषा आयोग का गठन 7 जून, 1955 को किया गया था। इसका उल्लेख संविधान के अनुच्छेद 344 में किया गया है।

1 2

प्राणत्व के आधार पर व्यंजन दो प्रकार के होते हैं:-
(1) अल्पप्राण व्यंजन - जिनके उच्चारण में मुँह से कम हवा निकले। उदा.- क, ग, ङ इत्यादि।
(2) महाप्राण व्यंजन - जिनके उच्चारण से मुँह से अधिक हवा निकले। उदा.- ख, घ इत्यादि।

1 3

राजभाषा अधिनियम 1963 के प्रावधान निम्नप्रकार है:- (1) केन्द्र सरकार के विज्ञापन, विज्ञप्ति, प्रतिवेदन आदि हिन्दी भाषा में रहेंगे।
(2) क्षेत्र 'क' और 'ख' के बीच संवाद की भाषा हिन्दी रहेगी।
(3) क्षेत्र 'क' और 'ख' से क्षेत्र 'ग' का संवाद हिंदी और अंग्रेजी में रहेगा।

1 4

पश्चिमी हिन्दी की तीन बोलियाँ निम्नलिखित हैं:-
(1) खड़ी बोली या कौरवी - यह मेरठ, दिल्ली, इटावा आदि में बोली जाती है। यह शौरसेनी अपभ्रंश से उत्पन्न हुई है।
(2) ब्रज - यह मथुरा, लखनऊ, इलाहाबाद आदि क्षेत्र में बोली जाती है। (शौरसेनी अपभ्रंश)
(3) बुंदेली - यह शौरसेनी अपभ्रंश से उत्पन्न हुई भाषा है। यह कानपुर, झांसी, आगरा, ग्वालियर आदि क्षेत्र में बोली जाती है।

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

1 5

बोली और विभाषा में अंतर:-
बोली एक निश्चित और छोटे अथवा सीमित क्षेत्र में बोली जाती है। जैसे - कन्नौजी
विभाषा ~~एक~~ तुलनात्मक रूप से बड़े क्षेत्र में बोली जाती है। जैसे - ब्रज एवं अवधी।
बोली में साहित्यिक कार्य कम उपलब्ध है जबकि विभाषा में साहित्यिक लेखन प्रचुर मात्रा में मिलता है।

1 6

अच्छे अनुवादक के गुण निम्नप्रकार है:-
(1) भाषा का गहरा ज्ञान।
(2) उत्कृष्ट शब्दावली ~~का~~ ज्ञान।
(3) भाषा में कार्यसाधकता।

1 7

विशेषण वे शब्द होते हैं जो किसी वाक्य में संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताते हैं।
जबकि विशेष्य वाक्य में वे शब्द होते हैं जिनकी विशेषता बतायी जा रही होती है।
उदा० - ~~रीता बहुत अच्छा गाना गाती है~~
रीता बहुत बुद्धिमान है।
~~यहाँ~~ 'बुद्धिमान' विशेषण है एवं रीता विशेष्य।

1 8

कार्यालयी प्रयोग के ऐसे टंकित पत्र जिनमें रिक्त स्थानों की पूर्ति करनी होती है, 'प्रपत्र' कहलाते हैं। उदा० - राशन कार्ड लेने के लिए ~~पारिवारिक~~ पारिवारिक जानकारी का प्रपत्र

9
विज्ञापन किसी सूचना को जन साधारण तक पहुंचाने के लिए उपयोग में लाया जाता है। सूचना को किसी समाचार पत्र या टेलीविजन के माध्यम से जन साधारण तक पहुंचाना 'विज्ञापन' कहलाता है। जबकि, कार्यालयी सूचना, अन्य कार्यालयों या कर्मचारियों तक पहुंचाने के लिए निर्मित किया गया पत्र 'विज्ञप्ति' कहलाता है।

10
'ग' वर्ग के अंतर्गत ग, घ, न, स, म आते है। ये तालव्य व्यंजन कहे जाते हैं क्योंकि इनके उच्चारण में जिव्हा का ऊपरी भाग कठोर तालू को स्पर्श करता है।

11
समय का बोध कराने वाले तत्व को काल कहते हैं। काल तीन प्रकार के होते हैं—
(1) वर्तमान काल
(2) भूतकाल
(3) भविष्य काल

12
शौरसेनी से विकसित भाषाएँ—
(1) खड़ी बोली — यह देहरादून के मैदानी क्षेत्रों में, मेरठ, इटावा, दिल्ली आदि क्षेत्रों में बोली जाती है।
(2) बुंदेली — यह ग्वालियर, ओरछा, छत्तरपुर, झाँसी, आगरा आदि क्षेत्रों में बोली जाती है।

1 | 13

मातृभाषा की विशेषताएँ —
(1) यह जन्म के बाद से बोली जाने वाली पहली भाषा होती है।
(2) दिन-प्रतिदिन के संवाद में प्रयोग की जाती है।
(3) प्रारंभिक शिक्षा इसी भाषा में दी जाती है।

1 | 14

कंठ्य ध्वनियाँ या कंठ्य व्यंजन निम्न हैं —
'क वर्ग' के व्यंजन अर्थात क, ख, ग, घ, ङ
कंठ्य व्यंजन कहलाते हैं क्योंकि इनके उच्चारण में जिह्वा का पिछला भाग कोमल तालु को स्पर्श करता है।

1 | 15

परिनिष्ठ भाषा वह भाषा होती है जिसके लिए व्याकरण का उपयोग किया जाता है। यह भाषा बहुत बड़े समुदाय द्वारा प्रयोग की जाती है और इसमें साहित्यिक लेखन किया जाता है। उदा० - हिन्दी, हिन्दी, अंग्रेजी, फ्रांसीसी आदि।

1 | 16

अच्छे संप्रेषण की विशेषताएँ —
(1) मूल भाव व्यक्त हो रहा होता है।
(2) सरल भाषा का प्रयोग।
(3) अनावश्यक बातों की अनुपस्थिति।

कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

1 17 सरकारी पत्र सरकारी कार्यालयों के अधिकारियों द्वारा इसी सरकारी कार्यालय के अन्य अधिकारियों अथवा दूसरे सरकारी कार्यालय के लिए लिखे जाते हैं। यह पूर्णतः औपचारिक होते हैं। जबकि अर्द्धसरकारी पत्र कार्यालयी सूचना अन्य सरकारी अधिकारी तक पहुँचाने के लिए लिखे जाते हैं ~~किन्तु उनमें के~~ व्यक्तिगत शैली में लिखे जाते हैं।

1 18 हिन्दी का प्रथम समाचार पत्र 'उदन्त मार्तण्ड' था। यह 1826 में कलकत्ता से ~~प्रकाशित~~ प्रकाशित किया जाता था।

1 19 खड़ी बोली शौरसेनी अपभ्रंश के उत्तरी रूप में उत्पन्न हुई है। यह देहरादून के मैदानी क्षेत्र, दिल्ली, मेरठ, इटावा आदि क्षेत्रों में बोली जाती है। सुनीति चटर्जी ने खड़ी बोली को 'जनपदीय हिन्दी' कहा है। यह आकारबहुला है।

1 20 जब वाक्य को भली-भाँति विराम दिया जाता है वहाँ पूर्ण विराम प्रयोग किया जाता है। इसे '।' चिह्न से प्रदर्शित किया जाता है।
जैसे- राम आ गया है।

जब वाक्य के बीच में थोड़ा ~~रुकना~~ होता है तब अर्द्धविराम का प्रयोग किया जाता है।
जैसे – राम घर जा रहा था; लेकिन बीच में उसे श्याम मिल गया और दोनो बाज़ार चले गये।

1 21

संज्ञा वे शब्द होते हैं जो किसी वस्तु, व्यक्ति, स्थान आदि के नाम का बोध कराते हैं। अर्थात् वस्तु, व्यक्ति, स्थान आदि को 'संज्ञा' कहा जाता है।
उदा० – राम, ~~कुर्सी~~ कुर्सी, जयपुर इत्यादि।

सर्वनाम वे शब्द होते हैं जो संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किये जाते हैं।
उदा० – वह, उसका, तुम्हारा इत्यादि।

1 22

कारक के शब्द होते हैं जो क्रिया से संबंध स्थापित हैं। इन्हें विभक्ति या परसर्ग भी कहा जाता है। ये आठ प्रकार के होते हैं – कर्ता, कर्म, करण, संप्रदान, अपादान, संबंध, अधिकरण, संबोधन कारक।

1 24

देशज शब्द वे शब्द होते हैं जिनकी उत्पत्ति देश में हुई है। देशज = देश + ज अर्थात् देश में उपजा हुआ
जैसे – खिड़की, रोटी, लोटा ~~सब~~ इत्यादि।

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

1	25

वचन वे शब्द होते हैं जो संज्ञा, अथवा सर्वनाम के एक अथवा अनेक होने का बोध कराते हैं। वचन दो प्रकार के होते हैं -
① एकवचन - लड़का, घोड़ा आदि
② बहुवचन - लड़के, घोड़े आदि

2	1

दिए गये उदाहरण में 'वृत्यानुप्रास अलंकार' है। वृत्यानुप्रास अलंकार वहाँ होता है जहाँ वाक्य में एक ही 'वर्ण' की आवृत्ति बार-बार होती है। इस उदाहरण में 'थ' वर्ण की आवृत्ति हो रही है अर्थात् यहाँ 'वृत्यानुप्रास अलंकार' है जो कि 'अनुप्रास अलंकार' का एक प्रकार है।

इसके अन्य उदा० हैं -
'चारु चंद्र की चंचल किरणें खेल रहीथी जल-थल में।
इस उदा० में 'च' वर्ण की आवृत्ति हो रही है अर्थात् यहाँ वृत्यानुप्रास अलंकार है।

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

2 2

'तुलसीदास सीदत निसि दिन देखत तुम्हार निठुराई' में 'श्रुत्यानुप्रास अलंकार' है।

'श्रुत्यानुप्रास अलंकार', अनुप्रास अलंकार का एक प्रकार है। श्रुत्यानुप्रास अलंकार वहाँ होता है जहाँ एक स्थान से उच्चारण होने वाले वर्ण वाक्य में प्रयुक्त होते हैं।

इस उदाहरण में 'त, द, न, ठ' इत्यादि वर्णों का प्रयोग हुआ जो 'त वर्ग' के अंतर्गत आते हैं और इनका उच्चारण करने के जिव्हा का एक ही भाग प्रयोग होता है। अर्थात उपर्युक्त उदाहरण में 'श्रुत्यानुप्रास अलंकार' है।

3 (A) 1

Do not afraid, human life is full of sufferings.

3 2

In human form of life nobody can escape from the sufferings of body and mind except the god.

3 3

Incarnations, saints and sages also have to go through the acid test of sufferings.

3 4

This is how they sacrifice themselves for the wellfare of the humanity.

3 5

Do not warry, the ties of this earth, & of this warld are for a short while.

3 (B) 1

~~स्वतंत्रता~~ सोचने की स्वतंत्रता एक अन्य दुर्लभ किन्तु क्रियाशीलता का बहुत ही महत्वपूर्ण साधन (तरीका) है।

2

ऐसा कहा जाता है कि "पशु बिल्कुल भी नहीं सोचते हैं और ~~इंसान~~ मनुष्य थोड़ा बहुत।"

3

यह एक ~~बहु~~ बहुत अधिक निरर्थक प्रक्रिया है। यदि अधिक लोग स्वतंत्र बुद्धिजीवी होते।

4

अफीम और चाशनी बच्चों को खिलाई जाती हैं क्योंकि वे उनसे ~~लिए~~ रोना से बंद कर देते हैं।

5

'हानिरहित सब्जी उपाय' एक जादुई वाक्यांश है- शायद इसी ~~प्रकार~~ लिए बहुत सारे लोग बाजरे और जौ की ओर आकर्षित होते हैं।

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार..

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

5 | 1 — 'ऊपर बैठा हूँ' में 'ऊपर' 'क्रिया-विशेषण' है। यह क्रिया 'बैठने' की विशेषता अव्यय 'ऊपर' के माध्यम से बता रहा है।

5 | 2 — 'ऐसा आदमी नहीं देखा' में 'सार्वनामिक विशेषण' है क्योंकि इसमें प्रयुक्त 'ऐसा' शब्द है।

5 | 3 — 'करुणा' में 'भाववाचक संज्ञा' है। भाववाचक संज्ञा से किसी भाव का बोध होता है और वह भाव यहाँ 'करुणा' है।

5 | 4 — भरपेट में 'अव्ययीभाव समास' है। जहाँ पूर्व पद अव्यय होता है वहाँ अव्ययीभाव समास होता है।

5 | 5 — 'गाँव-गाँव' में 'द्वंद्व समास' है। द्वंद्व समास में दोनों पद प्रधान होते हैं।

5 | 6 — वज्रदेह = वज्र रूपी देह
अर्थात् यहाँ कर्मधारय समास है।

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

4 7

नयन = ने + अन
यहाँ 'अयादि स्वर' संधि है।

4 8

मतैक्य = मत + ऐक्य
यहाँ वृद्धि स्वर संधि है।

4 9

जहाँ समुच्चय बोधक अव्यय का प्रयोग किया जाए वहाँ और, एवं, तथा इत्यादि शब्दों का प्रयोग किया जाता है।
यदि समुच्चय संयोजक हो तो संयोजक चिन्ह (-) का प्रयोग जाता है।
उदा० - पाँच-सौ रुपये।

4 10

शरत् + चंद्र = शरच्चंद्र
यहाँ व्यंजन संधि है।

5 1

काठ की हंडियाँ बार-बार नहीं चढ़ती का अर्थ होता है 'अन्याय बार-बार नहीं होता'।
उदा० - राजू हर परीक्षा में नकल करता था किन्तु प्रशासनिक सेवा परीक्षा में वह नकल करता हुआ पकड़ा गया। सत्य ही है, काठ की हंडियाँ बार-बार नहीं चढ़ती।

प्रश्न संख्या		उत्तर
5	2	खाक छानना = दर दर भटकना उदा.- आज के इस प्रतियोगी युग में पढ़े लिखे नौजवानों को भी नौकरी की तलाश में खाक छाननी पड़ती है।
5	3	आसन = बैठने की मुद्रा आसन्न = किसी पद पर आसीन
5	4	घोटक का तद्भव = घोड़ा
5	5	बहनोई का तत्सम = ~~भगिनिपति~~ भागिनीपति
5	6	यमुना = जमना, जमुना, यमुनी
5	7	परिश्रम का विलोम = आलस्य या कामचोरी
5	8	जो असत्य बोलता हो = मिथ्यावादी
5	9	Bride का पारिभाषिक शब्द = वधू
5	10	दोषमुक्त = ~~Acquitted~~ Acquitted

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

6 1 अनुशासन का अर्थ होता है भीतरी नियंत्रण। यह भीतर से बाँधना धर्म से संभव है। इसलिए धर्म द्वारा अनुशासन लाना संभव है।

2 आधुनिक शिक्षा हमें आत्मबल नहीं देती है। वह सूचना मात्र देती है। हमारा अध्ययन पूर्णतः वैज्ञानिक हो गया है। इसलिए आधुनिक शिक्षित मनुष्य में अहंकार भाव उत्पन्न होता है

3 अवतरण में मुद्रित पदबंध से आशय है कि मनुष्य आधुनिक शिक्षा के द्वारा शिक्षित तो गया है किन्तु यह शिक्षा मनुष्य को पूर्ण शिक्षित नहीं बना रही है। यह उसका सर्वांगीण विकास नहीं कर रही है। यह बस उसे वैज्ञानिक और विश्लेषणात्मक ज्ञान दे रही है। परन्तु उसे साहित्य, कला एवं धर्म से दूर ले जा रही है। इससे उसमें अहं उत्पन्न हो रहा है जो उसके लिए और अन्य मनुष्यों से उसके संबंधों के लिए हानिकारक है।

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

4

उच्च संस्कारों को जाग्रने के लिए मनुष्य को 'स्व' को 'पार' से पीछे रखने की आवश्यकता है। अर्थात् उसे अपने 'अहं' से ऊपर उठकर सोचने की आवश्यकता है। इसके लिए उसे आत्मतोषी और अपरिग्रही होने की आवश्यकता है अर्थात् उससे उसे वस्तुओं से अनावश्यक लगाव न रखते हुए संतुष्ट होने की आवश्यकता है। ऐसा करने पर ही उच्च संस्कार साधे जा सकते हैं।

7 1

संक्षेपण — प्रत्येक कवि अपने समय की तात्कालिक सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक आदि विचारधाराओं से अछूता नहीं रह सकता। और यह उसकी रचनाओं के माध्यम से प्रदर्शित हो रहा होता है। महान् कवि मैथिलीशरण गुप्त भी इससे अछूते नहीं थे। उनकी प्रारंभिक रचनाएं उनकी धार्मिक विचारधारा से प्रभावित थी किन्तु धीरे- धीरे वे राष्ट्रीय हो गयी है और उसके पश्चात् उनकी विचारधारा पूरी तरह मानवीय हो गयी। यही विचारधारा उनकी रचनाओं में मानव प्रेम और विश्व मंगल की कामना के रूप में प्रदर्शित होने लगी और इसी विचारधारा ने उन्हें अंततः राष्ट्रीय से मानवीय विचारधारा वाले कवि के रूप में प्रख्यात किया।

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

2

भावपल्लवन -

अलग-अलग काल में अलग-अलग कवि होते हैं जो अपनी अलग-अलग रचनाओं के माध्यम से अपनी छवि स्थापित करते हैं। उनकी यह छवि उनके काव्य में प्रतिबिंबित उनकी विचारधाराओं, मान्यताओं और धारणाओं से प्रभावित होती है। कोई भी कवि अपनी तात्कालीन परिस्थितियों से प्रभावित रहता है जो उसके काव्य का आधार बनता है और जो उसके काव्य के माध्यम से प्रदर्शित हो रहा है। और यह बहुत ही प्राकृतिक है क्योंकि मनुष्य अपनी सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, धार्मिक परिस्थितियों से पूर्णतः प्रभावित होता है। और यदि वह काव्यकार है तो यह उसके काव्य में प्रतिबिंबित होना स्वाभाविक है।